भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3223

उत्तर देने की तारीख-16/12/2024

अमृतसर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अथवा इसी प्रकार के संस्थान की स्थापना

†3223. श्री गुरजीत सिंह औजला:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अमृतसर की महत्वपूर्ण अवस्थिति और क्षमता इसे प्रौद्योगिकी और अनुसंधान केन्द्र के रूप में विकास के लिए आदर्श स्थान बनाती है;

(ख) क्या इस क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अथवा इसी प्रकार के संस्थान की स्थापना से शिक्षा, नवोन्मेष में पर्याप्त वृद्धि होगी और प्रतिभा और निवेश आकर्षित होगा;

(ग) क्या सरकार की अमृतसर के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए वहां ऐसे संस्थान की स्थापना करने की कोई योजना या प्रस्ताव है; और

(घ) क्या अमृतसर को प्रौद्योगिकी का केन्द्र बनाने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने और कैरियर में वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि अधिकांश युवा अध्ययन के लिए देश छोड़ रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी के क्षेत्र में बहु-विषयक और समग्र शिक्षा की परिकल्पना की गई है। नीति में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च-गुणवत्ता वाले अंतर-विषयक शिक्षण और अनुसंधान को सक्षम करने के लिए बहु-विषयक शैक्षणिक संस्थानों की ओर बढ़ने पर बल दिया गया है।

वर्तमान में, अमृतसर में एक भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) पहले से ही कार्यरत है। इसके अतिरिक्त, पंजाब में अन्य कई केंद्रीय वित्तपोषित उच्चतर शिक्षा संस्थान जैसे डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, राष्ट्रीय भेषज शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) मोहाली, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) मोहाली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बठिंडा, संत लोंगोवाल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (एसएलआईईटी) संगरूर और पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं।

*****